ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 26 | सितम्बर -II-2024 | अंक - 12 | माउण्ट आबू | Rs.-12

निःस्वार्थ स्नेह और ईश्वरीय प्रेम का अनुभव होता है यहाँ : महामंडलेश्वर श्री देवानंद सरस्वती

हरिद्वार-उत्तराखंड। रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में आयोजित संत संगोष्ठी में परमहंस आचार्य ब्रह्मनिष्ट महामंडलेश्वर श्री देवानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा कि इस ईश्वरीय विश्वविद्यालय की एकता, प्रेम, और सेवा भाव से मैं बहुत-बहुत प्रभावित हूँ। मुझे यहां आकर अपनेपन का अनुभव होता है। निःस्वार्थ स्नेह का अनुभव होता है। ईश्वरीय प्रेम का अनुभव होता है। इसलिए मैं बार-बार आता हूँ और बहनों से राखी बंधवाता हूँ। मैं बहनों की तथा इस ईश्वरीय विश्वविद्यालय की दिन दुगनी रात चौगुनी उन्नति की मंगल कामना करता हूँ।

महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. मुक्तानंद पुरी जी महाराज ने कहा कि शास्त्रों में वैसे तो बहुत सारी परंपराएं हैं लेकिन जो गुरुकुल की परंपरा हमारे देश में थी जिससे हमारा देश विश्व के लिए एक आध्यात्मिक दिशा दिखाने का स्थान था। इस ईश्वरीय विश्वविद्यालय में सेवा भाव जैसा गुरुकुल में होता था, यहां पर भी मैंने देखा। यहां पर ज्ञान-विज्ञान की बातें भी हैं। मैं बहनों से आशीर्वाद लेने के लिए यहां पर आया हूँ और बहनों द्वारा रक्षासूत्र बंधवाकर मुझे गर्व महसूस होता है। महामंडलेश्वर स्वामी कर्ण पाल गिरि जी महाराज ने कहा कि मुझे इस ईश्वरीय विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैंने वहां पर उनकी दिव्यता, एकता और ईश्वरीय प्रेम का अनूठा संगम देखा।

महामंडलेश्वर प्रबोधानंद गिरि जी महाराज ने कहा कि आज हम रक्षाबंधन तो मनाते हैं लेकिन रक्षाबंधन का क्या भाव है और उसकी क्या भावनाएं होनी चाहिए उस भाव और भावनाओं से रक्षाबंधन नहीं मनाया जाता। हमने विदेशी संस्कृति को बहुत कॉपी किया है। उनका अनुसरण करते हैं तो हमारी दुर्गति होना तो निश्चित है। उन्होंने कहा कि जब ब्रह्माकुमारी बहनें राखी बांधें तो उसी भाव से ईश्वरीय भावना से राखी बंधवाना, तो यह रक्षाबंधन मनाना सार्थक हो जाएगा।

महामंडलेश्वर स्वामी अभिषेक चैतन्य जी महाराज ने कहा कि आज का मनुष्य अर्थ, काम और राजनीति के पीछे पड़ा हुआ है लेकिन ये भूल गया है कि हमारी संस्कृति की जड़ें जब तक मज़बूत नहीं होंगी तब तक हमारा समाज मज़बूत नहीं हो सकता है। यह कार्य ब्रह्माकुमारी बहनें बखूबी कर रही हैं।

नई दिल्ली। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को ईश्वरीय रक्षासूत्र बांधते हुए ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति रिट्रीट सेंटर गुरुग्राम की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी। साथ हैं संस्थान के अति. महासचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन भाई, ब्र.कु. आनंद भाई तथा ब्र.कु. निकिता।

ब्रह्माकुमारीज़ के हरिद्वार सेवाकेंद्र पर रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में संत संगोष्ठी का सुंदर आयोजन

ब्र.कु. मंजू दीदी ने दादी जी का पत्र पुष्प सभी को पढ़कर सुनाया और मधुबन से दादी जी की भेजी हुई राखी सभी को दिखाई और सभी सन्त महात्माओं की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। सभी को मीठा बोलने का प्रतीक मिठाई खिलाकर मुख मीठा कराया गया।

इस अवसर पर ब्र.कु. सुशील भाई व ब्र.कु. मीना दीदी ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में हरिद्वार के 30 महामंडलेश्वर, संत-महात्मायें शामिल हुए।

रक्तदान से मिलता औरों को जीवनदान- आचार्य बालकृष्ण महाराज

राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के 17वें पुण्य स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

605 रक्तवीरों ने किया रक्तदान

शांतिवन। राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के 17वें पुण्य स्मृति दिवस(विश्व बंधुत्व दिवस) के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय शांतिवन में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें देशभर से आए 605 ब्र.कु. भाई-बहनों ने रक्तदान किया। शिविर के शुभारंभ पर पहुंचे पतंजलि आयुर्वेद के आचार्य बालकृष्ण महाराज ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। जो युवा स्वस्थ हैं उन्हें ज़रूर रक्तदान करना चाहिए। हर एक व्यक्ति रक्तदान का संकल्प करे तो देश में हर साल रक्त की कमी से होने वाली लाखों मौतों को टाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह संस्था नारी शक्ति और सशक्तिकरण की मिसाल है। नारी शक्ति ने एकजुट होकर पूरे विश्व में अध्यात्म का परचम लहराया है। यहाँ भाई-बहनें बड़े ही सेवाभाव से सेवा करते हैं जो अनुकरणीय है। इस दौरान उन्होंने शांतिवन का अवलोकन भी किया। मल्टीमीडिया निदेशक ब्र.कु. करुणा भाई ने कहा कि यह संस्था हर क्षेत्र में अपनी सामाजिक ज़िम्मेदारी निभा रही है। समय प्रति समय रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। इससे रक्त की कमी को दूर करने में मदद मिली है।

ग्लोबल अस्पताल निदेशक डॉ. प्रताप मिड्ढा ने बताया कि ग्लोबल हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर माउण्ट आबू और ट्रॉमा सेंटर आबू रोड द्वारा शिविर का आयोजन किया गया है। मेडिकल विंग के सचिव डॉ. ब्र.कु. बनारसी लाल शाह ने कहा कि आज युवाओं में रक्तदान को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। अब लोग रक्तदान को लेकर जागरुक हो रहे हैं।

दादी प्रकाशमणि का पुण्य स्मृति दिवस विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में मनाया

शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज़ की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के 17वें पुण्य स्मृति दिवस पर देशभर से पहुंचे हज़ारों लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उनकी शिक्षाओं को याद किया। भारत सहित विश्व के 137 देशों में पुण्य स्मृति दिवस, विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में मनाया गया। संस्थान के आठ हज़ार सेवाकेंद्रों पर अलसुबह से रात तक योग-साधना का दौर जारी रहा।

शांतिवन में दादी की स्मृति में बने प्रकाश स्तम्भ पर संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी, महासचिव ब्र.कु. निर्वैर भाई, अति. महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन भाई सहित अन्य वरिष्ठ भाई-बहनों ने श्रद्धासुमन अर्पित किये।

डायमण्ड हॉल में आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. निर्वैर भाई ने कहा कि दादी नारी शक्ति का वह प्रदीप्त मान सितारा थीं जिनके ज्ञान के प्रकाश की रोशनी आज भी अध्यात्म के पथिकों की राह प्रशस्त कर रही है। ब्र.कु. बृजमोहन भाई ने कहा कि दादी और बाबा की प्रेरणा से यह डायमण्ड हॉल बनकर तैयार हुआ। ब्र.कु. मुन्नी दीदी ने कहा कि दादी का जीवन नारी शक्ति स्वरूप का जीवंत मिसाल था।

पुष्पांजलि अर्पित कर सबने किया दादी को याद

137 देशों में आठ हज़ार सेवाकेंद्रों पर अलसुबह से योग-साधना के हुए कार्यक्रम

मल्टीमीडिया निदेशक ब्र.कु. करुणा भाई, संयुक्त मुख्य प्रशासिका ब्र.कु. शशि दीदी, ब्रह्माकुमारीज़ दिल्ली पांडव भवन की ब्र.कु. पुष्पा दीदी, यूएसए की डॉ. ब्र.कु. हंसा बहन, ब्र.कु. आत्म प्रकाश भाई, डॉ. प्रताप मिड्ढा एवं डॉ. सतीश गुप्ता सहित हज़ारों लोग मौजूद रहे। संचालन प्रयागराज की ब्र.कु. मनोरमा दीदी ने किया।